शहर की जनता से रिश्ता
छत्तीसगढ़ का पहला मिड-डे अखबार

मां कमरे में घुसी तो छटपटा रहा था मासूम बेटा, पास पड़ा बॉटल देख कौंध गया कलेजा, फिर हमेशा के लिए छोड़ गया लाडला : अंबिकापुर। डेढ़ वर्षीय मासूम घर के भीतर खेलते-खेलते पास में ही बोतल में रखा मिट्टी तेल पी लिया। जब उसकी मां कमरे में घुसी तो बेटा छटपटा रहा था। पास ही गिरा बोतल देख वह बात समझ गई। फिर बेटे को उसने गोद में उठाया और पति को बुलाकर अस्पताल में भर्ती कराया। यहां इलाज के दौरान मासूम ने दम तोड़ दिया। मासूम बेटे की मौत से माता-पिता का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। घटना गांधीनगर थाना क्षेत्र के ग्राम बांकीपुर का है। डेढ़ वर्षीय शिवम पंडो पिता जीवन पंडो ने मिट्टी तेल का सेवन कर लिया था।

बीमा क्लेम नहीं मिलने से नाराज किसानों ने खोला मोर्चा

कहा गलत रिपोर्ट की भुगत रहे सजा कलेक्टर साहब

राजनांदगांव। खरीफ सीजन 2018-19 की फसल को हुए नुकसान की सर्वे व अनावरी रिपोर्ट के अनुसार कंपनी ने बीमा क्लेम राशि भेज दी है, सहकारी बैंक सहित विभिन्न निजी बैंकों के माध्यम से इसे किसानों के खाते में भी डाला जा चुका है, लेकिन डोंगरगढ़ व डोंगरगांव ब्लाक के विभिन्न गांवों के किसानों ने नुकसान होने के बाद भी बीमा का लाभ नहीं मिलने का आरोप लगाते हुए जिला प्रशासन से बीमा राशि दिलवाने की मांग करते हुए सोमवार को ज्ञापन सौंपा है। डोंगरगांव क्षेत्र के ग्राम झींका, सुखरी व गिरगांव के किसान कलेक्टोरेट पहुंचे थे।

बीमा का लाभा दिलाने की मांग रखी

डोंगरगढ़ क्षेत्र के ग्राम चिचोला, ताकम, परसाही, खैरागढ़ व कोपेनवागांव के किसान भी बीमा राशि की मांग को लेकर जिला प्रशासन को ज्ञापन सौंपे हैं। इन किसानों के साथ डोंगरगढ़ विधायक भुनेश्वर बघेल भी पहुंचे थे, उन्होंने कलेक्टर से मामले को लेकर चर्चा कर अनावरी में सुधार करते हुए छूटे हुए किसानों को भी बीमा का लाभ दिलाने की मांग रखी है।

गड़बड़ी की गई

डोंगरगांव क्षेत्र के झींका, सुखरी व गिरगांव के किसानों ने बताया कि उन्होंने इससे पहले कृषि विस्तार अधिकारी, तहसीलदार व एसडीएम को ज्ञापन सौंप चुके हैं। उन्होंने बताया कि डोंगरगांव को सूखा एरिया घोषित किया गया था। इसके बाद भी ब्लाक के कुछ गांवों के किसानों को इसका बिल्कुल भी लाभ नहीं मिल रहा। किसानों ने आरोप लगाया कि अनावरी रिपोर्ट देने में गड़बड़ी की गई होगी।

220 करोड़ रुपए हुआ है जारी

खरीफ सीजन 2018-19 में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत जिले के करीब 2 लाख 14 हजार किसानों ने बीमा कराया था। सर्वे अनुसार 1 लाख 21 हजार किसानों के लिए 220 करोड़ रुपए बीमा राशि सहकारी बैंक में पहुंची, जिसे किसानों के खाते में डाला जा चुका है। फसल बीमा यूनाइटेड इंडिया इंश्योरेंस कंपनी के माध्यम से किया गया था।

यहां के किसान पिछले दिनों पहुंच थे

इससे पहले डोंगरगांव ब्लाक के ग्राम पंचायत बुद्धूभरदा व आश्रित ग्राम कविराज टोलागांव के किसानों ने भी प्रधानमंत्री फसल बीमा के लाभ से वंचित होने की शिकायत की थी। किसानों का नाम सोसाइटी में चस्पा किए सूची में नहीं होना बताया गया था। एडीएम एसएन मोटवानी ने बताया कि अनावरी रिपोर्ट देखना पड़ेगा। नुकसान के हिसाब से रिपोर्ट बनता है। इस हिसाब से क्लेम मिलता है। फिर किसान यदि शिकायत किए हैं, तो कृषि विभाग से रिपोर्ट मंगवाकर देखा जाएगा।

984 आंगनबाड़ी केंद्रों में किराए के मकान में गढ़ा जा रहा बच्चों का भविष्य

जगदलपुर। बस्तर जिले के आंगनबाड़ी केन्द्रों में पढने वाले सैकड़ों बच्चों को किराए के जर्जर भवन व खुले आसमान के नीचे गढ़ रहे हैं। जिसकी वजह आज तक 984 आंगन बाड़ी केन्द्रों के लिए भवन का नहीं बन पाना है। मिली जानकारी के मुताबिक बस्तर जिले में 2040 आंगनबाड़ी केन्द्र का संचालन किया जा रहा है। जिसमें ग्रामीण परियोजना अंतर्गत आने वाले 984 से अधिक आंगनबाड़ी केन्द्र के भवन नहीं है। कुछ आंगनबाड़ी केन्द्र से एक हजार से तीन हजार रुपए तक के किराए के भवन में संचालित हैं।

शौचालय, पेयजल और विद्युत के बिना

शहरी परियोजना के अंतर्गत सबसे ज्यादा खस्ता हालात जगदलपुर शहरी परियोजना की है। शहर में संचालित 72 आंगनबाड़ी केन्द्र में से 66 आंगनबाड़ी केन्द्र भवन विहीन हैं। वहीं 57 आंबा केन्द्र किराए के भवन में संचालित हो रहे हैं। केवल केन्द्र भवन के लिए नहीं तरस रहे हैं। यहां बच्चो को मुलभूत सुविधाएं भी मुहैय्या नहीं हो पाती है। अधिकांश केन्द्रों विद्युत की व्यवस्था नहीं है। बच्चों के लिए शौचालय की व्यवस्था नहीं की गई है। इनमें से एक भी आंगनबाड़ी केन्द्र में विद्युत की सुविधा नहीं है।

पेयजल की समस्या होने से बच्चों के लिए आंगनबाड़ी संचालिकाओं को बाहर से पानी की व्यवस्था करनी पड़ती है। शहर की तरह ग्रामीण परियोजना भी बुरी स्थिति में है। यहां के 301 केन्द्रों में से 87 केन्द्र भवन विहीन हैं, वहीं 76 किराए के भवन में संचालित हैं। अधिकांश आंगनबाड़ी भवन जर्जर हो चुके हैं, तो कुछ टूटी-फूटी झोपडियों में संचालित हैं। जिन आंगनबाड़ी केन्द्रों में बच्चों को अच्छा परिवेश देने की बात शासन-प्रशासन करता है, उसकी मियाद ही कमजोर है।

गांव में घुसे दो दंतैल हाथियों ने जमकर उत्पात मचाया

महासमुंद। छत्तीसगढ़ के महासमुंद के जिला मुख्यालय से तीन किमी दूर रमनटोला में आधी रात दो दंतैल हाथी आ धमके। खबर मिलते ही हाथी देखने के लिए लोगों की भीड़ इकट्ठी हो गई। वन विभाग का अमला भी पहुंच गया। हाथियों के शहर के बीच पहुंचने से विभाग में हड़कंप मचा हुआ है। ऐसे में हाथी कभी भी शहर के भीतर आ सकते हैं।

वन विभाग की टीम ने लोगों को दी चेतावनी

मिली जानकारी के अनुसार फिंगेश्वर की तरफ दोनों दंतैल महासमुंद जिला मुख्यालय के नजदीक पहुंचे। हाथी को देखकर लोगों को होश उड़ गए। वन विभाग के अफसरों ने वार्डों में मुनादी करवाकर लोगों को हाथी से दूर रखने की अपील की है। खबर पाकर सुबह से ही बड़ी संख्या में लोग रमनटोल पहुंच गए। अभी दोनों दंतैल पेड़ के नीचे बैठे हैं। वहीं सोमवार की रात खिरसाली में हाथियों ने जमकर उत्पात मचाया। गांव की गलियों में विचरण करते हुए देखा गया। बताया जाता है कि जंगली हाथी पिछले दस दिनों से खिरसाली व बंदोरा गांव में डेरा डाले हुए हैं।

शिक्षा विभाग की मंशा ही नहीं तो कैसे रुकेगी निजी स्कूलों की मनमानी

बिलासपुर। मंगलवार को कलेक्टर कार्यालय में जिले के सभी सीबीएसई स्कूलों के प्राचार्यों की बैठक अपर कलेक्टर की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में जिला शिक्षा अधिकारी, सहायक संचालक, सहायक जिला परियोजना अधिकारी भी मौजूद रहे। इस मौके पर अपर कलेक्टर ने छात्रों से ली जाने वाली वार्षिक शिक्षण शुल्क एवं अन्य शुल्क के निर्धारण के संबंध मे प्राचार्यों से चर्चा की गई। चर्चा उपरांत सर्वसम्मति से महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। प्रशसन द्वारा लिए गए निर्णय पर पालकों ने कहा कि प्रशासन ने सिर्फ एक नया बदलाव ये किया कि अब निजी स्कूल वार्षिक शुल्क के नाम पर सिर्फ 2000 रुपए की लेंगे। लेकिन बसूली के लिए उनके अन्य रास्ते अभी भी खुले रखें हैं, जिससे वे परिजनों से मोटी रकम बसूल कर लेंगे।

छुही के अवैध खनन का काला कारोबार, विभाग अनजान

रायगढ़। खरसिया ब्लॉक अंतर्गत आदिवासी अंचल फरकानारा क्षेत्र में इन दिनों छुही के अवैध उत्खनन का काला कारोबार खूब फलफूल रहा है। यहां खनिज तस्करों की शह पर स्थानीय लोग रात के अंधेरे में इस काम को अंजाम देते हैं। आसपास के ग्रामीण चंद रुपए के लालच में अपनी जान खतरे में डालकर 25-30 फिट गहरी खदान में घुसकर छुही निकालते हैं। इसके बाद खनिज तस्कर इसे औने-पौने दामों में बिना किसी रायल्टी के अच्छे रेट पर उद्योगों में सप्लाई कर देते हैं। अब हालत यह हो गई है कि यहां वन विभाग की जमीन पर अवैध छुही खदान का कारोबार काफी फैल गया है। इसके लिए ग्रामीण बकायदा पेड़ों की बलि तक दे रहे हैं और वन अधिकारी अनजान बने बैठे हुए हैं।

जानकारी के मुताबिक जोबी चौकी से पांच किमी की दूरी पर छुही के अवैध उत्खनन का कारोबार लंबे समय चल रहा है। इस कार्य में वन विभाग के अधिकारियों सहित पुलिस व राजस्व विभाग के अधिकारियों की भी पूरी सहभागिता है। अधिकारी अपनी आंखे मूंदकर चुपचाप मलाई खा रहे हैं और इसके चलते छुही खदान का एरिया काफी विस्तृत हो चुका है। छुही यानि सफेद मिट्टी का यह काला कारोबार कई वर्षों से निरंतर चल रहा है और इसमें माइनिंग से लेकर वन विभाग के अधिकारियों की मिलीभगत है।

दिल्ली से नेशनल सीड कार्पोरेशन ने भेजी ऐसी धान बीज कि देखकर किसानों की फटी रह गई आंखें

अंबिकापुर। दरिमा क्षेत्र के किसानों ने प्रभारी मंत्री टीएस सिंह देव को यह जानकारी दी गई थी कि सहकारी समिति द्वारा किसानों को दिया जा रहा धान बीच सही नहीं है। इस धान को लगाने से पैदावार प्रभावित होगी। किसानों की शिकायत के बाद मंत्री टीएस ने जिला पंचायत सदस्य राकेश गुप्ता सहित बीज निगम, कृषि विभाग व किसानों की संयुक्त टीम भेज कर धान बीज की जांच कराने के निर्देश दिए। किसानों की शिकायत पर जब टीम दरिमा सहकारी समिति में पहुंची तो वितरण के लिए आए धान बीज देखकर अचंभित रह गए। नेशनल सीड कार्पोरेशन दिल्ली द्वारा सप्लाई किया गया धान का बीज फंगस एवं डंक लगा हुआ पाया गया, जबकि आमतौर पर धान में डंक लगने की बात बहुत कम मिलती है। इससे स्पष्ट है कि यह बीज काफी पुरानी है जो कि किसानों को देने लायक ही नहीं है, किन्तु नेशनल सीड कार्पोरेशन से ऐसी धान बीज की सप्लाई कराई जा रही है जो कि किसानों के लिए कही से उपयुक्त नहीं है।

अनूठी शादी: 18 मई को दूल्हा-दुल्हन के साथ घर में आया हर मेहमान देगा अपना खून

राजनांदगांव। जरूरतमंदों को समय पर ब्लड की उपलब्धता का उद्देश्य लेकर एक साल पहले छात्र युवा मंच द्वारा शुरू की गई पहल से करीब 500 यूनिट ब्लड जमा हुआ, जिसे मेडिकल कॉलेज अस्पताल के माध्यम से लोगों को दिया गया। छात्र युवा मंच ने मुख्यमंत्री ब्लड बैंक की स्थापना खैरझिटी गांव में 12 जून को किया था।

ब्लड डोनेट किया : मंच ने बिना शासकीय मदद के सालभर में रेकार्ड करीब 17 बार से अधिक शिविर लगाया, जहां करीब 500 से अधिक लोगों ने ब्लड डोनेट किया। मंच अब इस योजना को एक साल बाद खैरझिटी में 18 मई को वैवाहिक कार्यक्रम में रक्तदान शिविर आयोजित कर समापन करने वाले हैं।

साल भर किया आयोजन : छात्र युवा मंच के संयोजक नागेश यदु ने बताया कि उनकी संस्था ने बिना किसी से आर्थिक मदद लिए यह आयोजन पूरे साल भर किया। ब्लड लेने के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल के कर्मचारियों से मदद ली जाती थी, लेकिन शिविर के दौरान अन्य खर्च मंच उठाता रहा, इस वजह से इस कार्यक्रम को लगातार चला पाना थोड़ा मुश्किल हो रहा है।

रक्तदान के लिए प्रेरित : 12 जून 2018 को मुख्यमंत्री ब्लड बैंक की स्थापना कर 1 वर्ष में 1000 यूनिट रक्तदान करने का लक्ष्य रखा था। इस दौरान स्कूल, कॉलेज, मंदिर, शासकीय कार्यालयों अन्य जगहों पर शिविर लगाया गया, युवाओं से ब्लड डोनेट करा अन्य को भी रक्तदान के लिए प्रेरित किया गया।

यदु ने बताया कि वैवाहिक कार्यक्रम में रक्तदान एक अनूठी पहल है, जिसे मंच खैरझिटी में 18 मई को आयोजित कर रहा है। इसके अलावा मंच व नेता और आदर्श पुरुषों के जन्मदिन पर यह आयोजन हो चुका है। इसके अलावा शहीदों की याद में भी शिविर लगाया गया था। मुख्यमंत्री ब्लड बैंक के प्रभारी चंद्रभान जंघेल व छात्र युवा मंच परिवार के प्रत्येक सदस्यों की कड़ी मेहनत, निष्ठा समर्पण व समाज के अन्य सहयोगकर्ता, मार्गदर्शक के प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष सहयोग से यह संकल्प पूरा हो पाया।

पैसे न देने पर की थी पांचवी बीवी की हत्या

बिलासपुर। मारपीट से परेशान होकर 4 पत्नियां बारी-बारी से छोड़कर जा चुकी थी। शराब पति ने पांचवी पत्नी को शराब के नशे में लाठी से पीट-पीटकर मौत के घाट उतार दिया। घटना तोरवा थानांतर्गत पुराना आरपीएफ कॉलोनी में रविवार देर रात हुई। आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। तोरवा पुलिस के अनुसार पुराना आरपीएफ कॉलोनी निवासी डेनिस उर्फ बास्को पिता एसडब्ल्यू जराल (40) शराब पीने का आदि व बेरोजार था। करीब 8 महीने पूर्व उसने ओडिशा में रहने वाली बसंती (35) से शादी की थी। बसंती कबाड़ बीनकर घर का गुजर बसर करती थी। शराब पीने के लिए पैसे नहीं देने पर डेनिस उससे विवाद और मारपीट करता था। रविवार रात बसंती कबाड़ बेचकर जो पैसे लाई थी, उसे लेकर डेनिस शराब खरीदकर घर ले आया। बसंती के साथ उसने शराब पी और दोनों के बीच आए दिन की तरह फिर से विवाद हुआ। डेनिस ने नशे में बसंती पर लाठी से ताबड़तोड़ हमला कर मौत के घाट उतार दिया। पड़ोस में रहने वाले मुन्ना उर्फ सेठ पिता भोला सिंह (50) और लव उर्फ चंदन सिंह(45) ने दोनों के बीच हो रहे विवाद और बसंती की चीख सुनी। आए दिन विवाद होने के कारण दोनों ने ध्यान नहीं दिया। रात करीब साढ़े 12 बजे बसंती की आवाज नही आने पर दोनों डेनिस के घर गए। जहां जमीन पर बसंती की लाश पड़ी थी।

चार विभाग मिलकर करेंगे काम तब पूरा हो सकेगा राताखार से गेरवाघाट एप्रोच रोड का निर्माण

कोरबा। सीएसईबी चौक से ध्यानचंद चौक तक फोरलेन रोड का कार्य प्रगति पर है। यहां से भारी वाहनों का प्रवेश बंद होने के कारण दर्री से कोरबा आने के लिए गेरवा घाट पुल के रास्त राताखार होते हुए कोरबा तक पहुंचने के लिए एकमात्र विकल्प है। अब जब दर्री-जमनीपाली की ओर जाने नहर मार्ग से होकर गेरवाघाट पुल को भारी वाहनों के आवागमन के लिए अनुमति दे दी गई है। लेकिन यहां ना तो सडक़ का निर्माण कराया गया है और न ही चौड़ीकरण। 740 मीटर नहर मार्ग पर एक तरफ 7 मीटर की खाई है तो दूसरी ओर बायीं तट नहर है। वर्तमान में इस मार्ग पर हर दिन जाम लग रहा है, और दुर्घटनाओं की संभावना बन रही है। बरसात के पहले यदि सडक़ का निर्माण नहीं कराया गया तो वाहनों के सफर करने का यह विकल्प भी समाप्त हो जाएगा। कच्ची सडक़ होने के कारण इस मार्ग से सफर करने वालों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। गरेवाघार पुल के दर्री छोर के एप्रोच रोड का निर्माण पूर्ण कर लिया गया है।

लेकिन राताखार छोर पर एप्रोच रोड कच्ची व संकरा होने के कारण 13 करोड़ के लागत से बने गेरवाघाट पुल की उपयोगिता पर अब भी सवालिया निशान लगा हुआ है। हाल ही में अपनी पदस्थापना के बाद कलेक्टर किरण कौशल ने पुल का निरीक्षण करने के बाद पीडब्ल्यूडी, नगर निगम व सिंचाई विभाग को सर्वे करने कहा था।